Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In October 2017

जीजेयू का दूरस्थ शिक्षा विभाग शुरू करेगा चार नए कोर्स

संदीप बिश्नोई ● हिसार

जीजेयू के दूरस्थ शिक्षा विभाग द्वारा अगले सत्र से चार नए कोर्स शुरू किए जाएंगे। इसके लिए विवि द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को प्रस्ताव भेजा गया है। अगर यूजीसी से अप्रूवल मिली तो विद्यार्थी व अन्य लोग विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग से बीकॉम, बीए, एमए इकोनॉमिक्स और एमए एजुकेशन की पढ़ाई कर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने यूजीसी को इन कोर्सों की अप्रूवल के लिए ऑनलाइन प्रोग्राम प्रोजेक्ट रिपोर्ट भेज दी है।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग द्वारा ग्रेजुएशन, पोस्टग्रेजुएशन और पीजी डिप्लोमा सहित कुल 16 कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। जिनमें करीब 4 हजार विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। विभाग के डायरेक्टर डा. महेश चंद्र गर्ग ने बताया कि लंबे समय से विद्यार्थियों की मांग थी कि दूरस्थ शिक्षा विभाग बीए और बीकॉम जैसे कोर्स भी शुरू करे। ताकि जो लोग इन कोर्सों की नियमित तौर पर पढ़ाई नहीं कर पाते। वे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। वहीं पीजी कोर्सों एमए इकोनॉमिक्स और एमए एजुकेशन भी उन विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं के लिए बेहद लाभदायक साबित होगा, जो शादी होने के कारण या नौकरी आदि के चलते अपनी पढ़ाई को रेगुलर तरीके से नहीं कर पाते। विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डा. संजय तिवारी के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा जून 2017 में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग रेगुलेशन एक्ट में बदलाव किया था और विश्वविद्यालय से वर्तमान और आगामी कोर्सों का ब्यौरा मांगा था। विश्वविद्यालय की और से 2018-19 में पूराने कोर्सों में दाखिले और चार नए कोर्स शुरू करने के लिए प्रोग्राम प्रोजेक्ट रिपोर्ट भेजी गई है।

अप्रूवल मिली तो हो जाएंगे 20 कोर्स : विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग द्वारा वर्तमान में 16 कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। जिनमें अंडर ग्रेजुएशन के दो कोर्स बीबीए और बीए इन मास कम्यूनिकेशन शामिल हैं। वहीं पोस्टग्रेजुएशन के सात कोर्सों में एमबीए, एमकॉम, एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमसीए, एमसीए फाइव इयर इंटिग्रेटिड, एमए मास कम्यूनिकेशन ओर एमएससी मैथेमेटिक्स शामिल हैं।

तैयारी

- इकोनॉमिक्स और एमए एजुकेशन कोर्स होंगे शुरू
- आयोग को अप्रूवल के लिए भेजी प्रोग्राम प्रोजेक्ट रिपोर्ट

दूरस्थ शिक्षा विभाग में इन कोर्सों की डिमांड थी। इसलिए चार नए कोर्सों की अप्रूवल के लिए यूजीसी को भेजा गया है। चारों कोर्स जॉब ओरिएंटिड हैं और जो विद्यार्थी किसी अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं या जॉब करने के कारण रेगुलर डिग्री नहीं कर पा रहे। **प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति।**

जीजेयू में नेशनल इंटीग्रेशन कैंप का शुभारंभ आज

हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गांधी जयंती के अवसर पर नेशनल इंटीग्रेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। एनएसएस द्वारा आयोजित करवाए जा रहे इस कैंप के शुभारंभ कार्यक्रम में विधायक डा. कमल गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 11 बजे विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में किया जाएगा। एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत आयोजित किए जा रहा यह कार्यक्रम एनएसएस के अलावा इंडियन रेडक्रास सोसायटी हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में होगा। यह कैंप 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक चलेगा।

कॉलेजों में परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि कल

हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए तीन अक्टूबर परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तारीख है। विद्यार्थी बिना लेट फीस के मंगलवार शाम तक ऑनलाइन फार्म अप्लाई कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के नियमित कोर्सों के अलावा री-अपीयर व इंप्रूवमेंट परीक्षाओं के लिए भी परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि 3 अक्टूबर ही है। कालेजों के जीजेयू से संबद्ध होने के बाद कालेजों में दाखिले लेने वाले प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन फार्म भरे जा रहे हैं। कालेजों के विद्यार्थी दाखिले के अलावा पहली बार परीक्षा फार्म भर रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा शुरुआत में फार्म भरने की अंतिम तिथि 25 सितंबर रखी गई थी, लेकिन विद्यार्थियों को जानकारी नहीं होने के कारण बहुत कम विद्यार्थी ही फार्म भर पाए थे। जिसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 3 अक्टूबर कर दिया था।

आयोजन · जीजेयू के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के मेन हॉल में विद्यार्थियों से रूबरू हुए राज्यसभा सांसद

मेहनत नहीं होती जाया, छोटे से कारोबार को मेहनत के बल पर बनाया बड़ा : डॉ. सुभाष

विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

भास्कर न्यूज | हिसार

राज्यसभा सांसद डॉ. सुभाष चन्द्रा ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में कामयाबी पाने के लिए अकेला किस्मत पर विश्वास नहीं किया जा सकता। किस्मत के साथ-साथ मेहनत करना बहुत आवश्यक है। मेहनत के बल पर ही हम बड़े से बड़ा मुकाम हासिल कर सकते हैं। डॉ. सुभाष चन्द्रा बुधवार को जीजेयू के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के मेन हॉल में आयोजित डीएससी शो के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान छोटे कारोबार को बड़ा बनाने वाली महिलाएं भी कार्यक्रम में शामिल हुई। जिन्होंने अपने अनुभव लोगों से सांझा किये। गांव बालसमंद निवासी आंगनबाडी वर्कर सोमवती ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कारोबार को शुरू करने के लिए नीति, नीयत व सही दिशा का होना बहुत आवश्यक है। सोमवती पिछले 17 वर्ष से ऑर्गेनिक खाद का कारोबार चला रही है और राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं को अपने साथ जोड़े हुए है। सुनीता बाजरे के प्रोडक्ट बनाकर बाजार में बिक्री का कार्य करती हैं। सुनीता द्वारा चलाए गए कारोबार के साथ राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की 150 महिलाएं जुड़ी हुई है। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता अजीत सिंह, प्रो. मिलंद पारले, प्रो. शभनम सक्सेना, प्रो. एस.सी. गोयल सहित विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी व विद्यार्थी भारी संख्या में उपस्थित थे।

सैन समाज को जमीन दिलाने के लिए पूरा प्रयास होगा : डॉ सुभाष चंद्रा

हिसार | जिला सैन सभा द्वारा बुधवार को ऋषि नगर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद डॉ. सुभाष चंद्रा तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर दूसरे राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर उपस्थित रहे। डॉ सुभाष चंद्रा ने सैन समाज को आश्वस्त किया कि वे अपने स्तर पर समाज को जमीन दिलवाने के लिए सरकार को लिखेंगे तथा इस मांग पर समाज की तरफ से पैरवी भी करेंगे। इस दौरान उन्होंने शिक्षा व खेल क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का कौशल दिखाने वाले युवाओं को सम्मानित किया। राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर ने कहा कि समाज से जमीन उपलब्ध होने पर वह अपने कोष से 25 लाख रुपए छात्रावास के निर्माण के लिए देंगे। सभा के प्रधान शेर सिंह धिकताना ने बताया कि सैन संमाज ने अभी तक किसी भी राजनीतिक दल से समाज उत्थान के लिए कभी कोई मांग नहीं की है। अब समाज के युवा जागरूक होने लगे हैं और उन युवाओं को आगे बढ़ाने में समाज का सहयोग बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि पूरे उत्तर भारत में सैन समाज के युवाओं के शैक्षिक उत्थान में कोई छात्रावास नहीं बना हुआ है। उनकी सभा यह पहल करने जा रही है और डॉ. सुभाष चंद्रा से जमीन उपलब्ध करवाने की मांग रखी है।

दैनिक भास्कर- 5/10/17

जीजेयू में 207 यूनिट रक्त किया एकत्रित

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि रक्तदान करने से न केवल जीवन बचता है बल्कि रक्तदान करने वाले रक्तदाता के जीवन में भी सुधार होता है। कुलपति एनएसएस की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि रक्तदान करना मानव की जिम्मेदारी बनती है। एनएसएस समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी ने बताया शिविर में रक्तदाताओं की ओर से 207 यूनिट रक्तदान किया गया। जिसमें 35 लड़कियों ने भी रक्तदान किया। एनएसएस इकाई हरियाणा, पंचकूला से आए डॉ. कपेन्द्र ने भी रक्तदान किया। इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार, डॉ. कश्मीरी लाल, डॉ. सुमन दहिया, डॉ. सुनीता, डॉ. रमेश धारीवाल उपस्थित थे।

हिसार के जीजेयू में रक्तदाताओं को हौंसला बढ़ाते कुलपति टंकेश्वर कुमार।

अमर उजाला- 5/10/17

जीजेयू के दो छात्रों को मिली जॉब

हिसार। जीजेयू के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के उमंग सरकारी और प्रीति का चयन डेफोडिल सॉफ्टवेयर लिमिटेड में हुआ है। विभाग के 123 विद्यार्थियों ने कैंपस प्लेसमेंट में हिस्सा लिया था। कंपनी ने नौ विद्यार्थियों को अगले राउंड की कोडिंग परीक्षा के लिए सूचिबद्ध किया। अंतिम राउंड के साक्षात्कार में कंपनी ने विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों को प्री-प्लेसमेंट दी है।

जेएसएल थियेटर ऑन बाइक्स की प्रस्तुति आज

हिसार। रंगकर्मी मनीष जोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री की योजना बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को गांव-गांव तक पहुंचाने का निश्चय किया है। साथ ही कला एवं संस्कृति की अलख भी गांव गांव जगाई जाएगी। अभियान की शुरुआत 14 अक्तूबर को विद्या देवी जिंदल स्कूल से एक पपेट्स शो के जरिये की जाएगी। इसका नाम ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ो रखा गया है। करीब 25 मिनट की इस प्रस्तुति में मॉडर्न पपेट्स से दिखाया जाएगा की किस प्रकार बेटी पढ़- लिखकर काबिल बन सकती है।

क्विज माइंड्स में अरुणा अव्वल

जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से अभिक्षमता और संचार कौशल में सुधार के लिए दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि कॅरिअर लांचर के क्विज माइंड्स कार्यक्रम के सहयोग से एप्टीट्यूड टेस्ट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 130 छात्रों ने भाग लिया। एमएससी केमिस्ट्री द्वितीय वर्ष की अरुणा ने पहला स्थान पाया। मेकेनिकल इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के अंकुश ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। साहिल तृतीय रहा। एमएससी बायो मेडिकल द्वितीय वर्ष की शीतल व भारती को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया।

अमर उजाला - 14/10/17

प्रतियोगिता में एमएससी केमिस्ट्री की अरुणा प्रथम

हिसार : जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से छात्रों की अभिक्षमता व संचार कौशल में सुधार के लिए मासिक प्रतियोगिता दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कुलपति के सलाहकार प्रो. एससी गोयल कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि उपस्थित थे। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि कैरियर लांचर के 'इंक्विजिव माइंड्स' कार्यक्रम के सहयोग से एप्टीट्यूड टेस्ट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 130 छात्रों ने भाग लिया, जिसमें एमएससी केमिस्ट्री द्वितीय वर्ष की अरुणा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष के अंकुश तथा साहिल क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। एमएससी बायोमैडिकल द्वितीय वर्ष की शीतल व भारती को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया। सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि दूसरे चरण में इंगलिश एक्सटेम्पोर (आशुभाषण) प्रतियोगिता में छात्रों को ऑन स्पॉट टॉपिक दिए गए, जिसमें एमएससी बायो नैनो द्वितीय वर्ष के छात्र जीन्सी, बीटेक आईटी तृतीय वर्ष की प्रज्ञा तथा एमएससी बायोटेक द्वितीय वर्ष की पूजा गर्ग ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तीसरा पुरस्कार हासिल किया। बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष की ऊषा तंवर तथा एमएससी बायोटेक द्वितीय वर्ष के कुनाल चुटानी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के डा. रवीश गर्ग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के डा. सुनील तथा फिजियोथेरेपी विभाग के डा. विकास पूनिया ने निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की।

कैंसर के इलाज में नोस्केपीन एक महत्वपूर्ण खोज : प्रो. प्रदीप

जीजेयू में कैंसर के इलाज में सहायक पौधों के प्राकृतिक तत्व विषय पर व्याख्यान

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

सदाबहार पौधे से मिलने वाला 'नोस्केपीन' तत्व कैंसर को रोकने में रामबाण सिद्ध हो सकता है। इस तत्व से बनी दवाइयां अगले एक साल में बाजार में उपलब्ध होने की संभावना है।

यह कहना है संबलपुर विश्वविद्यालय संबलपुर, उड़ीसा के बायो टेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार का। प्रो. प्रदीप कुमार जीजेयू के बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग के सौजन्य से 'कैंसर के इलाज में सहायक पौधों के प्राकृतिक तत्व' विषय पर विस्तार व्याख्यान दे रहे थे। यूनिवर्सिटी के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डा. विनोद छोक्कर ने की।

प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि कैंसर एक अत्यंत भयानक बीमारी है, जो कोशिकाओं के अनियंत्रित विभाजन के कारण होती है। कोशिकाओं के अनियंत्रित विभाजन को रोकने में सूक्ष्म नलिकाएं विशेष भूमिका निभाती हैं। नोस्केपीन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण खोज मानी जा रही है। वर्तमान समय

जीजेयू में प्रो. प्रदीप कुमार को सम्मानित करते डॉ. विनोद छोक्कर और डॉ. अनिल भानखड़।

में पौधों से मिलने वाला टेक्सोल नामक तत्व कैंसर के इलाज में कारगर माना जा रहा है। इसके प्रयोग से रोगी के शरीर पर अन्य दुष्प्रभाव पड़ते हैं। टेक्सोल के प्रयोग के बाद रोगी के बालों का झड़ना, मुंह में छाले होना, डायरिया होना, प्रतिरोधक क्षमता का घटना, जोड़ों का दर्द होना व अन्य कई रोग हो जाते हैं। अनुसंधानों से पता चला है कि नोस्केपीन तत्व के उपयोग से कैंसर रोगी के शरीर पर दुष्प्रभाव कम होते हैं। यह दवा बाजार में काफी कम कीमत में उपलब्ध होगी। रोगी अपने आप को ज्यादा सहज महसूस कर सकेगा। नोस्केपीन उन रोगियों के लिए भी उपयोगी होगी, जिन पर कैंसर की अन्य दवाइयां काम करना बंद कर चुकी हैं। कई कैंसर एक गांठ के रूप में शुरू होते हैं, लेकिन सभी गांठ कैंसर नहीं होते। सही समय पर कैंसर का अगर पता चल जाए तो कैंसर का इलाज 100 प्रतिशत संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए। इस अवसर पर डॉ. केके कपूर, डॉ. एसएस डुडेजा, डॉ. एमएल शर्मा, डॉ. सतीश कौशिक, डॉ. सपना ग्रेवाल, डॉ. अनिल कुमार उपस्थित थे।

अमर उजाला - 14/10/17

ईसी की बैठक में फैसला

जाट आरक्षण आंदोलन में मारे गए व्यक्ति के परिवार में से एक को मिली नौकरी

जीजेयू में कर्मचारियों के बच्चों के लिए प्रत्येक कोर्स में एक अतिरिक्त सीट होगी, 15 एसोसिएट प्रोफेसर भी किए प्रमोट

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में टीचिंग व नॉन टीचिंग पदों पर कार्यरत करीब 30 कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया है। जाट आरक्षण आंदोलन में मारे गए व्यक्ति के परिवार के एक व्यक्ति को जीजेयू में चतुर्थ श्रेणी की नौकरी दी है। वहीं कर्मचारियों के बच्चों के लिए प्रत्येक कोर्स में एक अतिरिक्त सीट के प्रावधान को ईसी की बैठक में मान्यता दी गई है। जीजेयू में सोमवार को कार्यकारी परिषद् की 78वीं बैठक वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने किया। बैठक में सहायक कुलसचिव के पद पर कार्यरत शिव दयाल रंगा व राजबीर मलिक को उप कुलसचिव के पद पर पदोन्नत किया गया है।

सीनियर इंजीनियर की योग्यता का होगा एग्जामिन

जीजेयू में नॉन टीचिंग के लिए कुछ अलग पद सृजित किए जाएंगे। जिससे विवि में नॉन टीचिंग पदों पर नौकरी के अवसर मिलेंगे। बैठक में सीनियर इंजीनियर की योग्यता को एग्जामिन किया जा रहा है। अभी इस पद को पदोन्नति नहीं दी गई है।

टीचिंग और नॉन टीचिंग के 30 पदों पर पदोन्नति

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि ईसी की बैठक में बायो एंड नैनो विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नमिता सिंह व डॉ. विनोद छोकर, कम्प्यूटर साईस एंड इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ओ.पी. सांगवान व डॉ. धर्मेन्द्र, गुरु जम्भेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. किशना राम बिश्नोई, यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वन्दना पूनिया, केमिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतबीर मोर, पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश कुमार लोहचब, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विशाल गुलाटी व डॉ. पंकज शर्मा, फिजिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आर.एस. कुंडू, इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार दुल, फार्मास्यूटिकल साइंस विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मुनीष आहुजा व डॉ. संदीप जैन तथा हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. टीकाराम को प्रोफेसर पद पर पदोन्नत किया गया है। उन्होंने बताया कि कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार व डॉ. सुनीला को एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया है। बैठक में वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा के मनोनीत डॉ. पुंडरीक ओझा, डॉ. प्रदीप शर्मा स्नेही, प्रो. एसके तोमर, प्रो. केसी अरोड़ा, प्रो. योगेश चाबा, प्रो. देवेंद्र मोहन, प्रो. डीसी भट्ट, प्रो. मनोज दयाल, प्रो. नरसी राम बिश्नोई व डॉ. कुलदीप सिंह उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर - 17/10/17

जीजेयू में 1 से 4 नवम्बर तक होगा युवा महोत्सव तीन स्टेज पर 44 विधाओं में स्टूडेंट दिखाएंगे टैलेंट

31 तक कॉलेजों को कराना होगा पंजीकरण, इंतजामों को लेकर वीसी ने ली मीटिंग

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में एक से चार नवम्बर तक सातवें युवा महोत्सव का आयोजन होगा। इसके लिए जीजेयू प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। युवा महोत्सव तीन मंचों पर होगा। युवा महोत्सव के दौरान सुरक्षा व प्रबंधों को लेकर कमेटियों ने अपनी रिपोर्ट मीटिंग में रखी। सोमवार को इसके लिए प्रबंधन और विभिन्न संयोजन समितियों की बैठक हुई। इसमें जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर भी मौजूद रहे। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल ने बताया कि कमेटियों के संयोजकों ने बैठक में रिपोर्ट दी और सुझाव दिए।

युवा कल्याण निदेशक अजीत सिंह ने बताया कि सभी प्रतिभागी महाविद्यालय 25 अक्टूबर तक सॉफ्ट कॉपी में टीमों की एंट्री भेजेंगे। इसके बाद लेट फीस के साथ एंट्री ली जाएगी। 31 अक्टूबर को सुबह 10:00 बजे प्रतिभागी महाविद्यालयों के टीम मैनेजर्स टीमों की हार्ड कॉपी देंगे तथा पंजीकरण करवाएंगे। इसी दिन टीम मैनेजर्स के साथ बैठक की जाएगी। कूपन, पहचान-पत्र एवं टीम कोड दिए जाएंगे। युवा महोत्सव में कुल 44 विधाएं होंगी, जिनमें कोरियोग्राफी, जनरल सोलो सोंग, इंडियन आरकेस्ट्रा विधाएं भी शामिल हैं। इस अवसर पर प्रो. राजेश मल्होत्रा, प्रो. नरसी राम बिश्नोई, प्रो. एससी कुण्डू, प्रो. सुनील शर्मा, प्रो. सोनिका, प्रो. संदीप राणा, प्रो. आरके गुप्ता, प्रो. विक्रम कौशिक, प्रो. मिलिन्द पारले, प्रो. धर्मेन्द्र कुमार, प्रो. नीरज दिलबागी, प्रो. कर्मपाल नरवाल, प्रो. सुजाता सांघी, प्रो. एच.सी. गर्ग, प्रो. अम्बीश पाण्डेय, प्रो. रवीश गर्ग, प्रो. संजीव कुमार दुल, प्रो. संदीप आर्य, डॉ. विकास वर्मा, डॉ. हिमानी शर्मा, प्रताप सिंह मलिक, सुरेन्द्र सिंह सहगल, अशोक अहलावत, डॉ. एस.बी. लुथरा, डॉ. ओपी झांब, बिजेन्द्र दहिया, डॉ. सुखदास तथा आशीष छाबड़ा उपस्थित थे।

हरिभूमि भास्कर - 25/10/17

हर समाधान में भूमिका निभा सकता है शिक्षक : कुलपति

जीजेयू के कुलपति टंकेश्वर कुमार दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि दुनिया की हर समस्या के समाधान में शिक्षक अहम भूमिका निभा सकता है। वह न केवल ज्ञान का सृजन करता है, बल्कि ज्ञान को भी फैलाता है। मानव जाति को दिशा देने में अहम योगदान होता है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के 26वें ओरियंटेशन कोर्स के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। प्रो. वंदना पूनिया व अनुराग सांगवान कोर्स कोर्डिनेटर हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि एक शिक्षक समाज व राष्ट्र का रोल मॉडल होता है। प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि वर्तमान में शिक्षक अपने विद्यार्थियों के साथ ज्ञान का सह-सृजन करता है। क्योंकि वर्तमान विद्यार्थी भी काफी जागरूक हैं। प्रो. वंदना पूनिया ने कहा कि महाराष्ट्र, कर्नाटक व केरल सहित देश के विभिन्न भागों से 30 प्रतिभागी इस कोर्स में भाग ले रहे हैं। अनुराग सांगवान ने मंच संचालन किया और धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

जी.एस.टी. से आर्थिक विकास में पारदर्शिता आएगी : प्रो. टंकेश्वर

हिसार, 25 अक्तूबर (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि जी.एस.टी. के कार्यान्वयन से देश की समग्र आर्थिक व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की महत्वपूर्ण कड़ी है। विश्वविद्यालय इस एकीकृत कर प्रणाली को समझाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय की लेखा शाखा के सौजन्य से चौधरी रणबीर सिंह सभागार में जी.एस.टी. पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम का संयोजन उपकुलसचिव सुरेंद्र सिंह ने किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि जी.एस.टी. देश की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद होगी। यह भारत को एकीकृत बाजार बना देगा। यह बेशक वर्तमान समय में आम आदमी को समझने में थोड़ा मुश्किल लग रहा है लेकिन भविष्य में अच्छा रहेगा। इस तरह की कराधान प्रक्रिया गैरकानूनी व्यापार से निपटने और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अनुकूल होगी।

चार्टर्ड अकाऊंटैंट आर.एन. अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि सामान्य जनता को इसे समझने में अभी भी समय लगेगा। माल और सेवाओं पर नियमों और कर दरों के संबंध में सभी प्रक्रियात्मक तकनीक के बारे में सरकार को आम आदमी को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जी.एस.टी. आम पोर्टल जुलाई, 2017 से शुरू हो चुका है, जिसमें करदाताओं को रिटर्न दाखिल करने के बारे में सभी आवश्यक जानकारी मिल सकती है।

विश्वविद्यालय के चार्टर्ड अकाउंटैंट सचिन सचदेवा ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और कार्यालयों में माल और सेवा कर को लागू करने के बारे में बताया। उन्होंने जी.एस.टी. के कार्यान्वयन के संबंध में विश्वविद्यालय निर्माण विभाग तथा छात्रावास, सभागार, फैकल्टी हाऊस तथा गैस्ट हाऊस आदि के किराये की सेवाओं पर लागू करने की जानकारी दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी डीन, निदेशक, अध्यक्ष, प्रभारी, शाखा अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। विशेषज्ञों ने उपस्थितजनों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

पंजाब केसरी हिसार - 26/10/17

विस्तार: अब सात वर्ष होगी गुजवि की मान्यता अवधि

■ कुलपति ने जताई राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के फैसले पर खुशी

आज समाज नेटवर्क

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा मान्यता अवधि में विस्तार किया गया है। विश्वविद्यालय की यह अवधि अब पांच वर्ष की अपेक्षा सात वर्ष की होगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के इस निर्णय पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय विश्वविद्यालय के लिए गौरव प्रदान करने वाला निर्णय है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, शोध व अन्य गतिविधियों के उच्च स्तर को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'ए' ग्रेड घोषित किए गए गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की वर्तमान मूल्यांकन अवधि 9 दिसम्बर 2019 तक थी। इस अवधि के बाद विश्वविद्यालय का फिर से मूल्यांकन किया जाना था। अब यह अवधि 9 दिसम्बर 2021 तक बढ़ा दी गई है। इस सम्बंध में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के निदेशक प्रो. डीपी सिंह का पत्र विश्वविद्यालय को मिल चुका है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं गैर शिक्षक सभी कर्मचारियों को बधाई दी है तथा कहा है कि विश्वविद्यालय लगातार हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

शोध के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में और भी बहुत सी उपलब्धियां विश्वविद्यालय के नाम होने वाली हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने भी विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी तथा कहा कि गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार देश के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक है।

आज समाज - 27/10/17

जीजेयू ने लांच की ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल की वेबसाइट

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया उद्घाटन

हिसार। जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की वेबसाइट www.tpc.gjuonline.ac.in लांच की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुक्रवार को कुलपति कार्यालय के कमेटी हॉल में वेबसाइट का उद्घाटन किया। प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक व कंप्यूटर सेंटर के मार्गदर्शन में कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों राहुल चाना, गौरव रहेजा, नरेंद्र, दिवांशी, नेनसी व कार्तिक गोयल द्वारा तीन माह में इन-हाउस तैयार की गई है। वेबसाइट पर सोशल मीडिया के सभी टूल्स जैसे फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि का प्रावधान है। इस अवसर पर कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. ओपी सांगवान, यूनिवर्सिटी कम्प्यूटर एंड इंफार्मेटिक्स सेंटर के हेड मुकेश अरोड़ा, रामविकास और नवीन उपस्थित थे।

वेबसाइट डिजाइनर विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

जीजेयू में आज से शुरू होगी कांफ्रेंस

हिसार। जीजेयू के गणित विभाग के सौजन्य से 28 से 30 अक्टूबर 2017 को सिम्बायोटिक डेवेलपमेंट ऑफ मैथेमेटिकल, फिजिकल, कैमिकल एंड कंप्यूटेशनल साईंसिज विषय पर इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साईंसिज की अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस तथा सिम्पोजियम का आयोजन किया जाएगा। कांफ्रेंस में यूएसए, यूके, आयरलैंड, साउथ अफ्रीका, बोतसवाना व नेपाल सहित देश के 60 विद्वान व्याख्यान देंगे। 300 से अधिक प्रतिभागी अपने शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे।

अमर उजाला - 28/10/17

उपलब्धि

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उच्चतर शिक्षा विभाग के सचिव से की बातचीत

देश के 20 श्रेष्ठ संस्थानों में शामिल होगी जीजेयू, वीसी ने दी प्रेजेंटेशन

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार देश के श्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में शामिल होने की योग्यता रखता है। विश्वविद्यालय को उन शिक्षण संस्थाओं में शामिल किया गया है, जिनमें से देश के बीस श्रेष्ठ संस्थान चुने जाएंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रस्तुति दी है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उच्चतर शिक्षा के सचिव से बातचीत भी की। कुलपति ने कहा कि जीजेयू देश के 20 श्रेष्ठ संस्थानों में शामिल होने का माददा रखती है।

देश में श्रेष्ठ संस्थान स्थापित करना भारत सरकार की योजना है। जिसका लक्ष्य भारत के चुनिंदा विश्वविद्यालयों को विश्वस्तर के संस्थान बनाना है। इस दिशा में शोध व शिक्षण के क्षेत्र में बीस शिक्षण संस्थानों को श्रेष्ठ संस्थान का दर्जा दिया जाएगा। चयनित संस्थानों को दस वर्षों तक एक हजार करोड़ रूपए का अनुदान दिया जाएगा, जिसमें शोध व शिक्षण के क्षेत्र में वह संबंधित संस्थान विश्वस्तर पर स्थान बना सके। इससे भारत के ज्ञान को विश्वस्तर पर पहचान मिलेगी।

कमेटी का किया गठन

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया श्रेष्ठ संस्थान की प्रस्तुति के लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी द्वारा यूजीसी को विश्वविद्यालय की प्रस्तावित योजनाएं की प्रस्तुति दी जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा आगामी 15 वर्षों की भविष्य की योजना तथा उनके क्रियान्वन का ब्यौरा दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय की उच्च स्तरीय शैक्षणिकता के कारण ही नैक ने विश्वविद्यालय को ए ग्रेड की अवधि को दो वर्षों के लिए विस्तारित किया है। विश्वविद्यालय विश्वस्तर पर पहचान बनाने में कामयाब होगा। इसके लिए हम प्रयास कर रहे हैं। - प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति जीजेयू हिसार।

जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग ने लांच की वेबसाइट

हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल की वेबसाइट लांच की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुक्रवार को कुलपति कार्यालय के कमेटी हॉल में वेबसाइट का उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक व कंप्यूटर सेंटर के मार्गदर्शन में कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों राहुल चाना, गौरव रहेजा, नरेंद्र, दिवांशी, नेनसी व कार्तिक गोयल द्वारा तीन माह में इन-हाउस तैयार की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डिजाइनर विद्यार्थियों को एक्सीलेंस सर्टिफिकेट प्रदान किए और कहा कि सभी विद्यार्थियों को इसी प्रकार उपयोगी और लाइव प्रोजेक्ट पर काम करके अपने व्यवहारिक ज्ञान का संवर्धन करना चाहिए और स्वयं को उद्योगों के लिए तैयार करना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने भी सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि वेबसाइट रिस्पोंसिव होने के कारण से जहां इसका लेआउट किसी भी डिवाइस पर ऑटो-एडजस्ट हो सकता है, वहीं डायनामिक होने के कारण बिना वेबसाइट के कोड में परिवर्तन किए सभी प्रकार की नवीन जानकारियाँ वेबसाईट पर एडमिन द्वारा अपलोड की जा सकती है। हैलो टोपर एंड्राएड एप्लीकेशन इस वेबसाइट की पार्टनर एप्लीकेशन है। ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के डा. ओपी सांगवान, यूनिवर्सिटी कम्प्यूटर एंड इन्फार्मेटिक्स सेंटर के हैड मुकेश अरोड़ा आदि रहे।

गुजवि में गणित विषय पर अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस आज

हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गणित विभाग के सौजन्य से 28 से 30 अक्टूबर 2017 को 'सिम्बायोटिक डेवलपमेंट ऑफ मैथेमेटिकल, फिजिकल, कैमिकल एंड कंप्युटेशनल साइंसिज' विषय पर इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साईंसिज की 21वीं अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस तथा 'रिसेंट एडवांसिज एंड फ्यूचर डायरेक्शंस ऑन मैथेमेटिक्स इन बायो-साईंसिज' विषय पर सिम्पोजियम का आयोजन किया जाएगा। उद्घाटन समरोह 28 अक्टूबर 2017 को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमीनार हाल-1 में होगा। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. एसपी सिंह उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि होंगे तथा स्टेलनबोक यूनिवर्सिटी, साऊथ अफ्रीका के प्रो. ओडी मफिंडे समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे।

दैनिक जागरण - 28/10/17

गुजवि में गणित विभाग के तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन

केवल विदेश में डिग्री लेना ही काफी नहीं है: एसपी सिंह

- मौजूदा युग में वैज्ञानिकों के समक्ष तीन प्रमुख चुनौतियां है, जो जीवन के विज्ञान को प्रभावित कर रही हैं। इनमें एंटीबायटिक, प्लास्टिक तथा सीएफसी शामिल हैं

हरिभूमि न्यूज ▸▸। हिसार

हिसार। गुजवि में कान्फ्रैंस के उद्घाटन समारोह में फैलोशिप पुरस्कार से सम्मानित करते कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार एवं अन्य।

गणित को अगर मातृ विज्ञान कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। कंप्यूटेशनल मैथेमेटिक्स की विज्ञान में अहम भूमिका होती है, इसके बिना विज्ञान के आंकड़ों का विश्लेषण संभव नहीं है। कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. एसपी सिंह ने कही। प्रो. सिंह गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में गणित विभाग के तत्वाधान में शुरू हुए 'सिम्बायोटिक डिवेल्पमेंट ऑफ मेथेमेटिकल, फिजिकल, कैमिकल एंड कंप्यूटेशनल साईंसिज' विषय पर इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साईंसिज की 21वीं अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रैंस तथा 'रिसेंट एडवांसिज एंड फ्यूचर डायरेक्शंस ऑन मेथेमेटिक्स इन बायो-साइंसिज' विषय पर सिम्पोजियम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की।

वैज्ञानिकों के सामने तीन प्रमुख चुनौतियां

प्रो. एसपी सिंह ने कहा कि बहुआयामी विषयों पर होने वाली कान्फ्रैंस अधिक फायदेमंद होती है। विभिन्न विषयों को कान्फ्रैंस में शामिल करने से कान्फ्रैंस की महत्ता और बढ़ जाती है। सभी विषयों के विशेषज्ञ एक ही मंच पर. अपने विषय से संबंधित शोध का विश्लेषण कर सकते हैं। वैज्ञानिकों को शोध के लिए अनेक विषयों को सम्मलित करना पड़ता है।

मौजूदा समय में भौतिक विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में शोध हो रहे हैं लेकिन आज के तकनीकी युग में जीवन के विज्ञान पर शोध करना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मौजूदा युग में वैज्ञानिकों के समक्ष तीन प्रमुख चुनौतियां है, जो जीवन के विज्ञान को प्रभावित कर रही हैं। इनमें एंटीबायटिक, प्लास्टिक तथा सीएफसी शामिल हैं। इन विषयों पर शोध अति आवश्यक है, क्योंकि यह सीधे तौर पर मानवता के अस्तित्व को प्रभावित करते हैं।

प्रो. एसपी सिंह ने कहा कि किसी भी विषय पर शोध करने के लिए उन्हें विदेशों में जाकर डिग्री लेना ही काफी नहीं है, बल्कि अपने आस-पास की जीवनशैली का अवलोकन कर, रचनात्मक तथा विश्लेषणात्मक गुणों को विकसित करके यदि विचार किया जाए तो कई समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। नोबल पुरस्कार विजेता टू यूयू का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि आम नागरिक होते हुए भी उन्होंने समाज की ज्वलंत समस्याओं के समाधान में अपना योगदान दिया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि मौजूदा में सभी विषयों का सम्मलित हो रहा है जो कि विज्ञान की वर्तमान चुनौतियों को नई विधाओं के द्वारा समाधान करने में सहायक सिद्ध होगा। कंप्यूटेशनल विज्ञान सभी विषयों को आपस में जोड़ने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसमें भौतिकी, गणित तथा रसायन विज्ञान जैसे प्रमुख विषय सम्मलित किए जा सकते हैं। विज्ञान में निरंतर नई पद्धतियों के प्रयोग से बहुपयोगी सामग्रियों का अविष्कार किया जा सकता है, जो केवल विभिन्न विषयों को सम्मलित कर रचनात्मक विश्लेषण के द्वारा सम्भव है।

युग के मुताबिक हो आविष्कार

साउथ अफ्रीका की स्टेलनबोक यूनिवर्सिटी के प्रो. ओडी मकिडे ने कहा कि भौतिक विज्ञान सभी विषयों का मूर्त रूप है तथा तकनीकी प्रगति का मूल यंत्र है। शोध के लिए सभी विषयों की एक दूसरे पर निर्भरता होने के कारण किसी एक विषय को महत्वपूर्ण नहीं माना जा सकता। इसलिए शोध के बहुआयामी फायदे लेने के लिए सभी विषयों को सम्मलित करना आवश्यक है। मौजूदा वैज्ञानिकों को आज के बदलते तकनीकी युग की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए समाज तथा राष्ट्र हित में नए अविष्कार करने चाहिए।

हरिभूमि - 29/10/17

गुजवि में युवा वैज्ञानिकों को किया सम्मानित

कान्फ्रैंस में व्याख्यान देते व पोस्टर का अवलोकन करते विशेषज्ञ।

हिसार, 29 अक्तूबर (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गणित विभाग के सौजन्य से चल रही 'सिम्बायोटिक डिवैल्पमैंट ऑफ मैथेमैटिकल, फिजीकल, कैमिकल एंड कंप्यूटेशनल साईंसिज' विषय पर इंटरनैशनल एकैडमी ऑफ फिजीकल साईंसिज की 21वीं अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रैंस तथा 'रिसैंट एडवांसिज एंड फ्यूचर डायरैक्शंस ऑन मैथेमैटिक्स इन बायो-साईंसिज' विषय पर सिम्पोजियम के दूसरे दिन सबसे पहले युवा वैज्ञानिकों का सम्मान समारोह हुआ जिसमें युवा वैज्ञानिकों ने विषय विशेषज्ञों के समक्ष अपने शोध कार्य की प्रस्तुति दी।

साथ ही भौतिकी विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा गणित पर 3 सामानंतर तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें शोध के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे शिक्षकों एवं शोधार्थियों द्वारा मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से 70 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। भौतिकी विज्ञान के तकनीकी सत्र में आई.एम.एस. चेन्नई के सेवानिवृत्त फिजीक्स के प्रो. ए.के. मिश्रा ने बहुत ही रोचक विषय बड़े स्तर पर डाटा विश्लेषण से कृत्रिम बुद्धि व रोबोक्सि के भविष्य की सहायता पर व्याख्यान दिया। दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रो. जय प्रकाश चतुर्वेदी ने विज्ञान और आध्यात्मिता के अध्ययन से जीवन के रहस्य को समझने में कैसे मदद मिल सकती है, पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विज्ञान पर आधारित शोध से भौतिकता व आध्यात्मिकता के बीच सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है।

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. सूर्यकांत त्रिपाठी ने नैनो मैटीरियल्स बायोमैडिसिन का भविष्य तथा मानव जीवन की गुणवत्ता और लम्बी आयु में सहायक विषय पर अपना व्याख्यान दिया। गणित के तकनीकी सत्र युवा वैज्ञानिकों को सम्मानित करने के साथ हुआ। इस सम्मान के लिए 5 युवा वैज्ञानिक चुन गए। आई.आई.टी. बोम्बे के प्रो. जे.पी. चतुरानी ने योगा करने तथा वजन उठाने से ऊर्जा पहलु पर व्याख्यान दिया। इसके अतिरिक्त प्रो. ओ.डी. मकिंडे, प्रो. नवीन अहमद, प्रो. आदित्य गोड़ तथा प्रो. वी.ए. खान ने कान्फ्रैंस में व्याख्यान दिया। रसायन विज्ञान पर हुए तकनीकी सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विज्ञान करना एक कला या भाग्य का मामला है, पर व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के प्रो. राजीव गुप्ता, सी.एस.आई.आर.-इंडियन इंस्टीज्यूट ऑफ इंटेग्रेटिव मैडिसिन जम्मू के प्रो. पी.एल. सांगवान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रो. डी.एस. पांडेय, दीनबंधू छोटूराम विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, मुरथल के प्रो. ए.के. शर्मा रसायन विज्ञान सामाजिक जरूरतों जैसे ऊर्जा, दवा आदि को कैसे पूरा कर सकता है, पर प्रकाश डाला।

बी.आई.टी.एस., पिलानी के प्रो. दलीप कुमार ने बेहतर इलाज के लिए एंटी कैंसर गतिविधियों और ड्रग मोलीक्यूल्स के डिजाइन पर अपना व्याख्यान दिया। इस अवसर पर कांफ्रैंस के अध्यक्ष प्रो. कुलदीप बंसल, समन्वयक प्रो. मुकेश कुमार शर्मा, सचिव प्रो. आशीष अग्रवाल सहित देश व विदेशों से आए विषय विशेषज्ञ एवं 250 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे।

पंजाब केसरी हिसार - 30/10/17

भौतिकता व आत्मिकता के बीच सामंजस्य स्थापित करे विज्ञान पर आधारित शोध

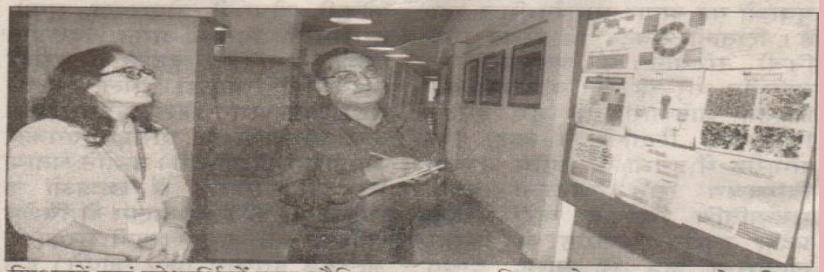

हिसार, 30 अक्टूबर (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के गणित विभाग के सौजन्य से चल रही 'सिम्बायोटिक डिवैल्पमैंट ऑफ मैथेमेटिकल, फिजिकल, कैमिकल एंड कंप्यूटेशनल साईंसिज' विषय पर इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साईंसिज की 21वीं अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस तथा 'रिसेंट एडवांसिज एंड फ्यूचर डायरेक्शंस ऑन मैथेमेटिक्स इन बायो-साईंसिज' विषय पर सिम्पोजियम के दूसरे दिन सबसे पहले युवा वैज्ञानिकों का सम्मान समारोह हुआ जिसमें युवा वैज्ञानिकों ने विषय विशेषज्ञों के समक्ष अपने शोध कार्य की प्रस्तुति दी। साथ ही भौतिकी विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा गणित पर तीन सामानंतर तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें शोध के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे

शिक्षकों एवं शोधार्थियों द्वारा मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से 70 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। भौतिकी विज्ञान के तकनीकी सत्र में आईएमएस चेन्नई के सेवानिवृत फिजिक्स के प्रो. ए.के. मिश्रा ने बहुत ही रोचक विषय बड़े स्तर पर डाटा विश्लेषण से कृत्रिम बुद्धि व रोबोक्सि के भविष्य की सहायता पर व्याख्यान दिया। दीनदयाल उपाध्याय विश्व विद्यालय, गोरखपुर के प्रो. जय प्रकाश चतुर्वेदी ने विज्ञान और आध्यात्मिता के अध्ययन से जीवन के रहस्य को समझने में कैसे मदद मिल सकती है, पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विज्ञान पर आधारित शोध से भौतिकता व आत्मिकता के बीच सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के प्रो. सूर्यकांत त्रिपाठी ने नेनो मेटीरियलस बायोमेडिसिन का भविष्य तथा मानव जीवन की गुणवत्ता और लम्बी आयु में सहायक विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

नभ छोर 30/10/2017

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन

हिसार। कांफ्रेंस केवल विचार या पेपर प्रस्तुत करने का नहीं होती बल्कि नए विचारों को ग्रहण करने का मंच होता है। इन विचारों के सहारे इस प्रकार की कान्फ्रैंस के प्रतिभागी वैज्ञानिक संसार में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा सकते हैं। यह बात गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसिज की 21वीं अंतराष्ट्रीय कांफ्रेस के समापन समारोह पर कही। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि यह कांफ्रेंस प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभप्रद होगी। उन्होंने कांफ्रेस को अत्यंत सफल बताया। साथ ही आगामी कान्फ्रेसिज को और अधिक उत्कृष्ट बनाने के लिए सुझाव भी आमंत्रित किए। इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल सार्इंसिज के महासचिव प्रो. पीएन पाण्डेय ने आईएपीएस की योजनाओं तथा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी और उन्होंने वैज्ञानिकों को आईएपीएस से जुड़ने का आहवान भी किया।

हरिभूमि 31/10/2017

सिम्बायोटिक डेवलपमेंट ऑफ मैथेमेटिंकल विषय की वर्कशॉप संपन्न

हिसार | जीजेयू में 'सिम्बायोटिक डेवलपमेंट ऑफ मैथेमेटिकल, फिजिकल, कैमिकल एंड कंप्यूटेशनल साईसिज' विषय पर इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साईसिज की 21वीं अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस तथा 'रिसेंट एडवांसिज एंड फ्यूचर डायरेक्शंस ऑन मैथेमेटिक्स इन बायो-साईसिज' विषय पर सिम्पोजियम को समापन हो गया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कॉन्फ्रेंस प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभप्रद होगी। उन्होंने इस कान्फ्रैंस को अत्यंत सफल बताया। साथ ही उन्होंने आगामी कान्फ्रैंसिज को और अधिक उत्कृष्ट बनाने के लिए सुझाव भी आमंत्रित किए। विश्वविद्यालय के डा. मोहम्मद आसिम, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, झारखण्ड के डा. नासिर अहमद अली तथा गोरखपुर से आए शोधार्थी राजेश कुमार ने अपने विचार प्रस्तुत किए तथा कान्फ्रैंस को काफी सराहा। कमेस्ट्री विभाग के डॉ. देवेन्द्र ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. कपिल कुमार, डॉ. सुजाता सांघी, डॉ. कश्मीरी लाल, डॉ. सुनीता पानु, डॉ. प्रवीन, डॉ. धर्मेन्द्र, डॉ. देवेन्द्र, डॉ. सुनीता, डॉ. पंकज आदि रहे।

दैनिक भास्कर 31/10/201

ुवा वैज्ञानिकों के लिए कांफ्रेंस एक बेहतर मौका : कुलपति

जीजेयू के गणित विभाग के सौजन्य से इंटरनेशनल कांफ्रेंस और सिम्पोजियम का समापन समारोह आयोजित

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्रकार की कांफ्रेंस केवल विचार या पेपर प्रस्तुत करने का मंच नहीं होती, बल्कि नए विचारों को ग्रहण करने का मंच होता है। इन विचारों के सहारे इस प्रकार की कांफ्रेंस के प्रतिभागी वैज्ञानिक संसार में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा सकते हैं।

कुलपति टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के गणित विभाग के सौजन्य से इंटरनेशनल कांफ्रेंस और सिम्पोजियम के समापन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज के महासचिव प्रो. पीएन पांडेय ने आईएपीएस की योजनाओं और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि विज्ञान मानवता की भलाई के लिए

नेपाल के प्रो. बुद्धिरत्न खड़के को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। भौतिकी, रसायन और गणित को चुनौतियों का समाधान करने वाले विषय बताया।

कांफ्रेंस अध्यक्ष प्रो. कुलदीप बंसल ने संबोधित किया कि इस कांफ्रेंस में कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आए हैं कांफ्रेंस में कई देशों के 50 विषय विशेषज्ञों ने विशेष व्याख्यान दिया। 12 तकनीकी सत्रों में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। नेपाल से आए प्रो. बुद्धिरत्न खड़के ने कहा कि नेपाल और भारत का रिश्ता अतुलनीय और गहरा है। पीएम मोदी ने भी नेपाल में कहा था कि नेपाल और भारत के बीच बेटी और रोटी का रिश्ता है। डॉ. वंदना शुक्ला व डॉ. दीपमाला युवा वैज्ञानिक अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कांफ्रेंस में प्रो. बसंत तिवारी, बनारस से प्रो. एसके उपाध्याय, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय के डॉ. मोहम्मद आसिम, केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड के डॉ. नासिर अहमद अली और गोरखपुर से आए शोधार्थी राजेश कुमार ने अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ. देवेंद्र कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. कपिल कुमार, डॉ. सुजाता सांघी, डॉ. कश्मीरी लाल, डॉ. सुनीता पानू, डॉ. प्रवीन शर्मा, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. देवेंद्र मोहन, डॉ. सुनीता रानी, डॉ. पंकज कुमार और डॉ. विकास वर्मा सहित शोधार्थी, विद्यार्थी उपस्थित थे।

अमर उजाला

कार्यक्रम ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट फेयर का आयोजन, विद्यार्थियों को होगा लाभ

मेहनत करें तो सफलता चूमेगी कदम

जागरण संवाददाता, हिसार : राजकीय कालेज में पांच दिवसीय डिवीजन स्तर के एम्पलोएबिल्टी ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट फेयर का शुभारंभ गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति जीवन में थोड़ा जोखिम उठाकर दृढ संकल्प के साथ मेहनत करता है तो सफलता निश्चित रूप से उसके कदम चूमेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य पीएस रोहिल्ला ने की। कार्यक्रम कन्वीनर डा. रमेश आर्य ने बताया कि इस कार्यक्रम को इस प्रकार से प्लान किया गया है कि इसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को होगा।

पांच दिन के बाद प्रतिभागी अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन महसूस करेंगे। प्राचार्य ने मुख्य अतिथि महोदय का स्वागत व अभिनंदन किया।

प्रो. मदन लाल गोयल ने विद्यार्थियों को जीवन मे सफलता के मंत्र दिए। अंत में वन्दे मातरम के साथ कार्यक्रम का समापन

जीजेयू के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर को स्मृति चिन्ह भेंट करते कॉलेज के प्राचार्य डा. पीएस रोहिला व अन्य

हुआ व सभी विद्यार्थियों ने महाविद्यालय की तरफ से स्मृति चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन डा. मुदिता वर्मा ने किया।

इस दौरान प्रो. जेएस चहल, प्रो. सत्यपाल सिंह, डा. बलवान सिंह, प्रो. बीडी सिंह, डा. संजीव गर्ग, ईश्वर सिंह, दिनेश, समरिद्धि, सोनू, मुदिता वर्मा, राजेन्द्र सेवदा, सुरेन्द्र बाजीया, डा. सुनील कुमार, मनोज कुमार, कपिल, विपिन ग्रोवर, सरनजीत सिंह व दिशांत पाहवा समेत 500 से अधिक विद्यार्थी मौजूद रहे।

दैनिक जागरण 31/10/2017

एम्पलोएबिल्टी ट्रेनिंग एवं प्लेसमैंट फेयर शुरू

राजकीय कालेज में एम्पलोएबिल्टी ट्रेनिंग एवं प्लेसमैंट फेयर उद्घाटन अवसर पर शामिल गुजवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

हिसार, 30 अक्तूबर (का.प्र.): राजकीय महाविद्यालय, हिसार में 5 दिवसीय डिवीजन स्तर के एम्पलोएबिल्टी ट्रेनिंग एवं प्लेसमैंट फेयर का उद्घाटन गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. टंकेश्वर द्वारा किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अपने सम्बोधन में कहा कि यदि व्यक्ति जीवन मे थोड़ा जोखिम उठा कर दृढ़ संकल्प के साथ मेहनत करता है तो सफलता निश्चित रूप से उसके कदम चूमेगी। प्रो. मदन लाल गोयल ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता के मंत्र दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य पी.एस. रोहिल्ला ने की। कार्यक्रम के कन्वीनर डा. रमेश आर्य ने बताया कि इस कार्यक्रम को इस प्रकार से प्लान किया गया है कि इसका सीधा-सीधा लाभ हमारे नौजवान विद्यार्थियों को होगा निश्चित रूप से 5 दिन के बाद प्रतिभागी अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन महसूस करेंगे। कार्यक्रम का संचालन डा. मुदिता वर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रो. जे.एस. चहल, प्रो. सत्यपाल सिंह, डा. बलवान सिंह, प्रो. बी.डी. सिंह, डा. संजीव गर्ग, प्रो. ईश्वर सिंह, प्रो. दिनेश आदि मौजूद थे।

पंजाब केसरी